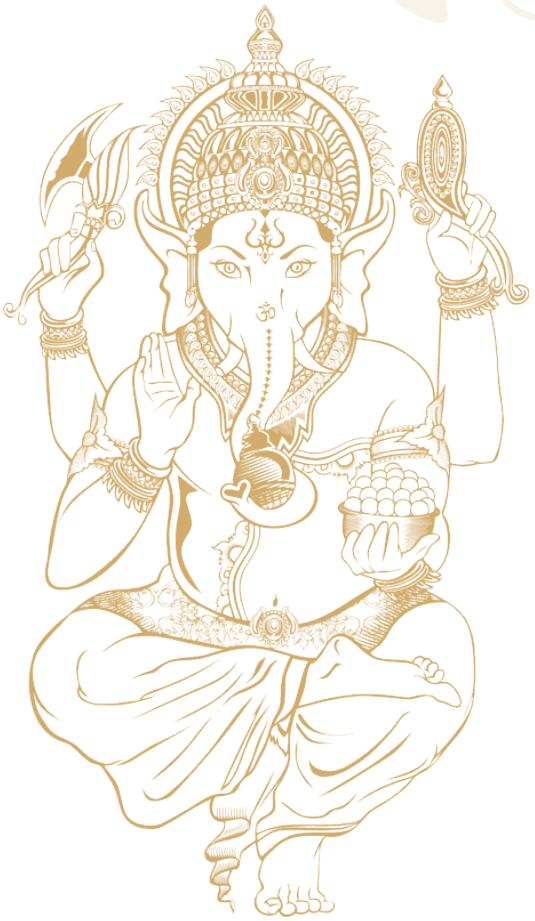

Chitranjan Singh Yadav

01 Jun 1997

01:47 PM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121479806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/06/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:47:00 घंटे**
इष्ट	20:16:01 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:10:28 घंटे
वेलान्तर	00:02:13 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:54 घंटे
सूर्योदय	05:40:35 घंटे
सूर्यास्त	19:28:20 घंटे
दिनमान	13:47:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:03:29 वृष
लग्न के अंश	03:56:30 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:56:30	319:40:04	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			वृष	17:03:29	00:57:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	26:39:26	13:59:49	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	29:13:49	00:19:52	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध			मेष	24:06:38	01:24:50	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			मक	28:00:00	00:01:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			मिथु	02:42:41	01:13:27	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	23:32:10	00:05:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	02:01:50	00:02:58	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	02:01:50	00:02:58	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:42:20	00:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:53:50	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:13:15	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	03:51:40	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:13

लग्न-चलित

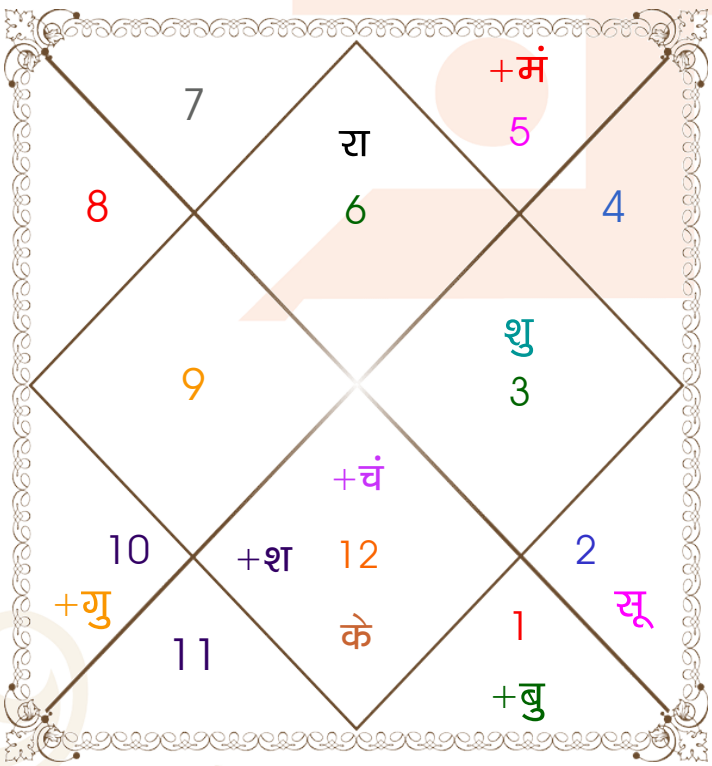

चन्द्र कुंडली

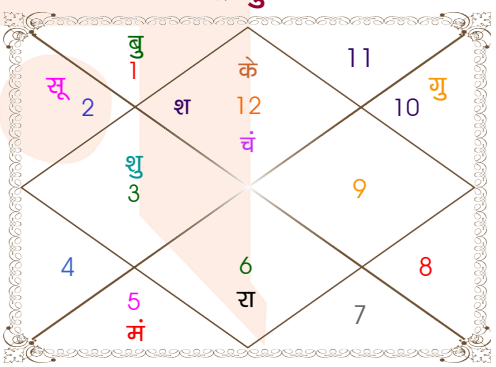

नवमांश कुंडली

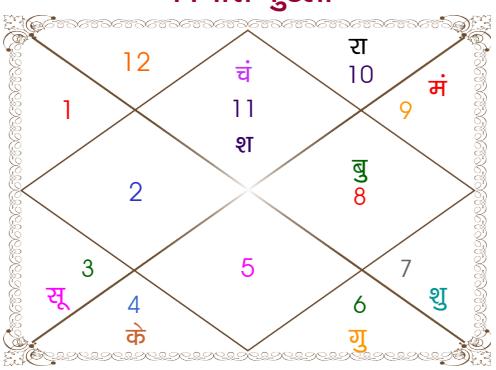

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 3 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/06/1997		05/09/2001		04/09/2008		04/09/2028		05/09/2034	
05/09/2001		04/09/2008		04/09/2028		05/09/2034		04/09/2044	
	00/00/0000	केतु	01/02/2002	शुक्र	05/01/2012	सूर्य	23/12/2028	चंद्र	06/07/2035
	00/00/0000	शुक्र	03/04/2003	सूर्य	04/01/2013	चंद्र	24/06/2029	मंगल	04/02/2036
	00/00/0000	सूर्य	09/08/2003	चंद्र	05/09/2014	मंगल	30/10/2029	राहु	05/08/2037
	00/00/0000	चंद्र	09/03/2004	मंगल	05/11/2015	राहु	23/09/2030	गुरु	05/12/2038
	00/00/0000	मंगल	05/08/2004	राहु	05/11/2018	गुरु	12/07/2031	शनि	06/07/2040
	00/00/0000	राहु	24/08/2005	गुरु	06/07/2021	शनि	23/06/2032	बुध	05/12/2041
	01/06/1997	गुरु	30/07/2006	शनि	04/09/2024	बुध	30/04/2033	केतु	06/07/2042
गुरु	27/12/1998	शनि	08/09/2007	बुध	06/07/2027	केतु	05/09/2033	शुक्र	06/03/2044
शनि	05/09/2001	बुध	04/09/2008	केतु	04/09/2028	शुक्र	05/09/2034	सूर्य	04/09/2044

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/09/2044		05/09/2051		05/09/2069		05/09/2085		05/09/2104	
05/09/2051		05/09/2069		05/09/2085		05/09/2104		00/00/0000	
मंगल	01/02/2045	राहु	18/05/2054	गुरु	24/10/2071	शनि	08/09/2088	बुध	02/02/2107
राहु	19/02/2046	गुरु	11/10/2056	शनि	06/05/2074	बुध	19/05/2091	केतु	30/01/2108
गुरु	26/01/2047	शनि	18/08/2059	बुध	11/08/2076	केतु	26/06/2092	शुक्र	30/11/2110
शनि	06/03/2048	बुध	06/03/2062	केतु	18/07/2077	शुक्र	27/08/2095	सूर्य	07/10/2111
बुध	03/03/2049	केतु	25/03/2063	शुक्र	18/03/2080	सूर्य	08/08/2096	चंद्र	07/03/2113
केतु	30/07/2049	शुक्र	25/03/2066	सूर्य	04/01/2081	चंद्र	09/03/2098	मंगल	04/03/2114
शुक्र	29/09/2050	सूर्य	16/02/2067	चंद्र	06/05/2082	मंगल	18/04/2099	राहु	21/09/2116
सूर्य	04/02/2051	चंद्र	17/08/2068	मंगल	12/04/2083	राहु	23/02/2102	गुरु	02/06/2117
चंद्र	05/09/2051	मंगल	05/09/2069	राहु	05/09/2085	गुरु	05/09/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।